NEWS CLIPPING: 02.04.2020

PUNJAB KESARI

डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म देगा घर से पढ़ाई करने की सहूलियत

जेसी बोस विवि ने 'डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' विकसित किया

फरीदाबाद, 1 अप्रैल (ब्यूरो): विद्यार्थियों को कोरोनो वायरस महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति में विद्यार्थियों को पढ़ाई जारी रखने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने अपना 'डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' विकसित करने में सफलता हासिल की है। यह सिस्टम विद्यार्थियों को एक आनलाइन मंच प्रदान करेगा, जहां विद्यार्थी जरूरत अनुसार अध्ययन सामग्री और ई-संसाधनों प्राप्त कर सकते है और लाइव चैट के माध्यम से संकाय सदस्यों के साथ संवाद भी कर सकते है। विश्वविद्यालय के डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस) का शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस डिजिटल प्लेटफार्म को विश्वविद्यालय की डिजिटल इंडिया सेल की टीम द्वारा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. कोमल भाटिया तथा कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अतुल मिश्रा की देखरेख में विकसित किया गया है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने काफी कम समय में विश्वविद्यालय के डिजिटल प्लेटफॉर्म को विकसित करने के लिए अथक प्रयास करने पर डिजिटल इंडिया सेल की टीम के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि कोरोनावायरस महामारी के कारण विश्वविद्यालय परिसर को पूरी तरह से बंद करने की घोषणा के बाद से विश्वविद्यालय के सामने एक बड़ी चुनौती थी कि विद्यार्थियों की पढ़ाई को कैसे जारी रखा जाए। इस चुनौती को स्वीकार करते हुए डिजिटल इंडिया सेल ने विश्वविद्यालय का अपना डिजिटल प्लेटफार्म विकसित कर एक बेहतरीन समाधान दिया है, जिसकी मदद से विद्यार्थी घर से भी पढ़ाई जारी रख सकेंगे। कुलपति ने कहा कि कोरोनोवायरस महामारी ने मानव जाति के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है, लेकिन दूसरी ओर, इसने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों तथा तकनीकीविदों को स्थिति से उबरने के लिए इनोवेटिव समाधान खोजने का अवसर भी दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विश्वविद्यालय का डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी आवश्यकता को पूरा करेगा, अध्ययन को सुविधाजनक बनायेगा और उनकी पढ़ाई का भी नुकसान नहीं होगा। डिजिटल इंडिया सेल की नोडल अधिकारी डॉ. नीलम दूहन ने बताया कि विश्वविद्यालय के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म को अध्ययन सामग्री अपलोड करने, लाइव चैट, डिस्कशन फोरम इत्यादि जैसी सुविधाओं के साथ सक्षम बनाया गया है।

आवश्यतानुसार किया जाएगा अपग्रेड

प्लेटफार्म को आवश्यकता अनुसार अपग्रेड किया जायेगा तथा लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग जैसे फीचर्स को भी जोडा जायेगा। इस प्लेटफार्म को विद्यार्थी कहीं से भी अपने लॉगइन से एक्सेस कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली को विश्वविद्यालय सिस्टम एनालिस्ट अंकित पक्षू तथा डिजिटल इंडिया सेल से जुडे विद्यार्थियों द्वारा विकसित किया गया है। कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण प्लेटफार्म जैसे लाइब्रेरी ई-पोर्टल, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी, स्वयमं, एनपीटीईएल, ई-रिसोर्स, गूगल क्लासरूम इत्यादि को भी प्लेटफार्म के साथ जोड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस) एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जो विद्यार्थियों को क्लासरूम या किसी भी अन्य स्थान पर अध्ययन सामग्री, संसाधन, उपकरण या गतिविधियों में हिस्सा लेने में सक्षम बनाता है। यह शिक्षकों को कभी भी एवं कही से भी जरूरी निर्देश देने में भी सक्षम बनाता हैं। इस प्लेटफार्म का उपयोग अध्ययन सामग्री के संग्रहण, व्यवस्थित करने तथा विद्यार्थियों को दी जाने वाली असाइनमेंट का मूल्यांकन करने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफार्म पर विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के बीच संवाद के लिए लाइन चैट जैसी सुविधाएं भी होती है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 02 April 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/50551286

NEWS CLIPPING: 02.04.2020

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस में डीएलएमएस लागू

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : घर पर रहकर छात्र पढ़ाई जारी रख सकें, इसके लिए जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी ने अपना डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस) विकसित करने में सफलता हासिल की है। यह सिस्टम छात्रों को एक ऑनलाइन मंच प्रदान करेगा, जहां छात्र जरूरत के अनुसार अध्ययन सामग्री व ई-संसाधनों प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही लाइव चैट के माध्यम से स्टाफ सदस्यों के साथ संवाद भी कर सकते है। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने विडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया।

NEWS CLIPPING: 02.04.2020

HINDUSTAN

'डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' से छात्र पढ़ाई करेंगे

फरीदाबाद | **कार्यालय संवाददाता**

लॉकडाउन के दौरान छात्रों की पढ़ाई जारी रखने के लिए जेसी बोस विज्ञान विश्वविद्यालय, (वाईएमसीए) ने अपना 'डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' विकसित किया है। इस ऑनलाइन सिस्टम पर छात्रों को एक ऑनलाइन मंच मिलेगा जिस पर वे जरूरत अनुसार अध्ययन सामग्री और ई-संसाधनों प्राप्त कर सकते हैं।

साथ ही लाइव चैट के जरिए प्रोफेसरों से चैटिंग भी कर आते हैं। मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस) का शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए किया। इस डिजिटल प्लेटफार्म को विश्वविद्यालय की डिजिटल इंडिया सेल की टीम से

> विश्वविद्यालय के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म को अध्ययन सामग्री अपलोड करने, लाइव चैट, डिस्कशन फोरम जैसी सुविधाओं के साथ सक्षम बनाया गया है। इससे लाइब्रेरी ई-पोर्टल, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी, एनपीटीईएल, ई-रिसोर्स, गूगल क्लासरूम आदि को भी जोड़ा गया है।
>
> – **डॉ. नीलम दूहन**, नोडल अधिकारी, डिजिटल इंडिया सेल

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. कोमल भाटिया और कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अतुल मिश्रा की देखरेख में विकसित किया गया है। इससे छात्रों को मदद होगी।

NEWS CLIPPING: 02.04.2020

HINDUSTAN

जेसी बोस विश्वविद्यालय ने भी सहयोग दिया

इससे पहले जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने राहत कोष में 25 लाख रुपये की धनराशि दान की है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कोरोनो वायरस के विरूद्ध लड़ाई केवल सभी के एकजुट प्रयासों से ही जीती जा सकती है। इसलिए, इस कठिन समय में राज्य सरकार को हर संभव सहायता प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बकाया कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा हरियाणा कोरोना रिलीफ फंड में भी अपने वेतन का 10 प्रतिशत योगदान दिया है जो कि कुल 25 लाख रुपये है। वहीं हरियाणा विद्यालय शिक्षा अधिकारी संगठन की जिला ईकाई ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख प्रति अधिकारी के वेतन में पांच-पांच हजार रुपये काटने का निवेदन किया।

NEWS CLIPPING: 02.04.2020

DAINIK JAGRAN

जेसी बोस विवि के छात्र घर पर करेंगे पढ़ाई

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस) का शुभारंभ किया है। इससे छात्र अब घर बैठे पढ़ाई कर सकेंगे। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया। इसे डिजिटल इंडिया सेल की टीम के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ.कोमल भाटिया तथा कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के अध्यक्ष डॉ.अतुल मिश्रा की देखरेख में विकसित किया गया है।

कोरोना संक्रमण के चलते विवि बंद होने के बाद से अध्ययन-अध्यापन ठप है। बकौल डिजिटल इंडिया सेल की नोडल अधिकारी डॉ.नीलम दूहन, विश्वविद्यालय के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म को अध्ययन सामग्री अपलोड करने, लाइव चैट, डिस्कशन फोरम जैसी सुविधाओं के साथ सक्षम बनाया गया है। इसे विश्वविद्यालय सिस्टम एनालिस्ट अंकित पन्नू तथा डिजिटल इंडिया सेल से जुड़े विद्यार्थियों ने विकसित किया है। कुछ अन्य अहम प्लेटफार्म जैसे लाइब्रेरी ई-पोर्टल, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी, स्वयं, एनपीटीईएल, ई-रिसोर्स, गूगल क्लासरूम इत्यादि को भी प्लेटफार्म के साथ जोड़ा गया है।